

लगातार  
91 वर्षों  
से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

# लाला रामरवत्प रामनारायण एंड सन्स

941, लाईंगंज (स्टेशनरी दुकान) जबलपुर (म.प्र.) 482002

संपादक  
प्रह्लाद  
अग्रवाल  
जबलपुर



मेरिंडे

**गदा स्थिति**  
तारीख - २ को  
२१३० दिन से ३।३१३१ रात  
तक। ता. ६ को १।२१७ दिन से  
२।४५ रात तक। ता. ६ को १।२१२ रात से  
ता. १० को २।११ दिन तक। ता. १४ को  
१।०।५ रात से ता. १५ के १।४० रात तक।  
ता. १७ को २।१२ रात से ता. १८ के १।१५  
रात तक। ता. २१ को १।३० रात से ता. २५  
के १।०।५ रात तक। ता. २८ को ३।१३ दिन  
से ४ बजे तक १० मिनट रात अंत तक भद्रा  
होगी। **गुरु - शुक्र तारा - पूर्ण चंद्र**  
में उत्तिरा पंचांग - तारीख १३ को ३।२४  
रात से तारीख १५ के ३।१७ दिन तक।

सुंदर दिवालीयन,  
ता. १६ से उत्तरायण

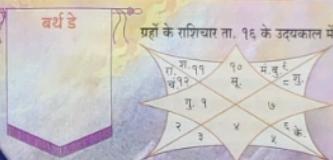
वीर लि. सं. 2550

रा. शक संवत् 1945  
१०. पौष मास ११ तक  
ता. २१ से रा. माघ प्रारंभ  
बंगला सन् 1430  
बाग पौष मास

पौष/माघ मास (१)

विक्रम संवत् 2080

जनवरी 2024



बर्थे डे

हमन क्रन्तु,  
ता. १६ से मिशिर

चन्द्र

सिंह का। ता. २

को ३।४१७ शाम से कन्या

का। ता. ४ को ३।४२५ रात से

तुला का। ता. ८ को ३।४२३ रात से वृश्चिक

का। ता. १२ को ३।४२३ रात से धनु का। ता.

११ को ३।४२३ रात से कुम्भ का। ता.

१५ को ३।४२४ रात से इन्द्र का। ता.

१७ को ३।४२४ रात अंत से मीन का। ता.

१८ को ३।४२४ रात अंत से रक्षय

मास प्रारंभ, ता. २५ है। अंत जनवरी

नोट - यह चाह ता. १२ को नहीं दिखा

तो रज्जव यात्रा। ता. १६ से प्रारंभ होगा।

उद्याकालिक लग्जन - तारीख १ से

५ तक घुल लग्ज, तारीख ५ से मकर लग्ज।

यादवाश्त

राशिफल

मेष - पुत्र सुख, मांगलिक कार्य, यात्रा

व्यार्थ खर्च, नवा विचार, वित्त

मिथुन - सम्मान, व्यर्थ चिंता, खर्च ज्यादा

कर्क - पौदीजलि, भवन लाभ, पित्र सुख

सिंह - शुभ संदेश, लाभ, चोरादि भय

कन्या - रुके कार्य एवं, वाहन सुख, चिंता

तुला - वाहन कष्ट, यात्रा, सम्पादन, यात्रा

वृश्चिक - शुभ समाचार, पित्र से लाभ

धनु - मित्र मिलन, नवा कार्य प्रारंभ, कष्ट

मकर - संतान सुख, पित्र सहयोग, यात्रा

कुम्भ - संतान सुख, विवाद, कार्याधिकरण

मौर - यात्रा, पित्र सुख, व्यर्थ विवाद

शुभ मुहूर्त

विवाह - ता. 16, 17, 20, 21, 22,

27, 28, 29, 30, 31 उपनयन - ता. 21

नामकरण - ता. 3, 15, 17, 31

अन्यप्राशन - ता. 12, 17, 31

मुण्ड - ता. 17, 31 गुरुर्प्राप्त - ता. 25

गुण्डवेश - ता. 17, 22, 24

व्यापार - ता. 4, 8, 17, 25, 26, 31

मुख्य जयंती, दिवस

ता. 7 राजिन महिलामाता जयंती

ता. 10 विष्व दिन्दी दिवस (४.१.१०.अ.)

ता. 12 महार्घ महेश यात्रा जयंती

ता. 13 लिलाका माझी बिलिदान दिवस

ता. 15 थल सेना दिवस

ता. 20 अ.भा.मारावाडी बुधा मंच स्था. दि.

ता. 21 वीर हम्पाळात्ता जयंती दिवस

ता. 25 लाला लापत्तय जयंती

ता. 30 शरीद स्मृति दिवस

ता. 31 अवार महेश्वराया की अमरतिथि

मासफल - इस मास कई गांगों में विष्व द्वारा सत्प्राप्त को पेरेशान करने के

प्रयत्न होते हैं। आनंद, तेल, शेयर, धूतु आदि में सामान्य घटा-बही रोगी।

दद्यायात के मामले बढ़ रहे हैं। वर्षा, कोहरा, बिजनी आदि से दुर्घटनाएँ भी बढ़ रहीं।

सूर्य शत्रु भ्रमण - पूर्णांशु नक्षत्र में। तारीख ११ को ३।१८ रात से उत्तराश्वा

नक्षत्र में। ता. २४ को ४।०२० रात अंत से श्रवण नक्षत्र में भ्रमण करेगा। नेश से चर्चे

मनस कंसाति - ता. १५ को ६।१३ दिन में अक्षी है (वाहन-अय्य, उपवाहन-

विह, वस्त्र-कृष्ण)। १०।१३ दिन से ता. १५ को ७।२२ रात तक।

तिल, बस्त्र, कबूल, मच्छरदानी आदि का दान करना चाहिए।

परम्परात्मा रूप से माने वाले ब्रह्माजुल ता. १४ को भी

स्नान करें। मकर संकाति का राशिफल - मेष - लाभ,

भाग लेकर

वृष - कर्म, मिथुन - सम्मान, कर्क - तनाव,

आग - अशांति, तुल - उत्तिरा,

आप भी इनाम - शुभ - यथा, मकर - हानि,

जीत सकते हैं

कुम्भ - शुभ, मीन - परिवर्तन।

(विष्व ग्रहणी अंत तक)

**ग्रहस्थिति**  
मूर्य - धनु राशि में, ता. १५ के ६।२३ दिन से रात्रि राशि में। गरुड - धनु राशि में।  
मूर्य - वृश्चिक राशि में (क्रीत), ता. २ के ७।३७ रात से मार्गी, तारीख ७ के १।०।५ रात से धनु राशि में। गुरु - मेष राशि में। गुरु - वृश्चिक राशि में, तारीख १८ के १।०।५ रात से धनु राशि में। रात्रि - कुम्भ राशि में। रात्रि - मीन राशि में। केतु - कुम्भ राशि में।

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता. ३ को १।२।३५ दिन से रात्रि अंत तक। ता. ६ को

सूर्योदय से ६।२० शाम तक। ता. ८ को

सूर्योदय से १।१५ रात से धनु राशि में।

सूर्योदय से १।१५ रात से धनु राशि में। अमृत सिद्धि योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१२ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. ११ स्ना.दा. आद्र, पौषी अमावस्या

के १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

त्रिपुरकर योग - ता. २२ को

सूर्योदय से १।०।१५ रात से धनु राशि में।

लगातार  
९१ वर्षों  
से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. ७० ७१ ७२

# लाला रामरवेष्य रामनारायण पर्याग

बच्चों को बचायें

इस मह स्कूल के थाप बर्क, कुल्फी एवं गोल गये बिकाना प्राप्त हो जाते हैं, इन्हें खाकर कुछ बच्चे पीसते हैं ताकि फ़ैलिया आदि रोगों से ग्रसित हो अपना रिजल खाका कर बैठते हैं। अतः बच्चों को उन्हें खाने से माना जाए और उन्हें हाथ धोने की आदत ढ़लवायें।

ता. 14 माँ मस्तिष्ठी प्राकटयोत्सव



ता. 16 माँ नर्मदा प्राकटयोत्सव



ता. 24 संत रविदास जयंती



कम नींद से हानि

मनुष्य के लिये प्रतिदिन ७ से ९ घंटे की नींद जरूरी होती है। लगातार कम नींद से गतिशील, बेहोर की चमक एवं यादाश्रय में कमी, गुस्सा, हड्डय रोग, हाई ब्लड प्रेसर, डिप्रेशन, डायबिटीज, चिडचिडापन, चर्म रोग जैसी समस्यायें जम्बले ले लेती हैं जो स्वास्थ्य एवं रिजल्ट को भी ख़राब करती हैं।

'वाणी' को वीणा बनायें, बाण न बनाये क्योंकि वीणा बनेगी तो जीवन में संगीत होगा और बाण बनेगी तो जीवन में महाभारत होगा।

**ध्वनिश्चिति** - ता. १ को १०।१५ दिन से १०।१५ रात तक। ता. ५ को १२।४४ रात से ता. ५ के १२।३६ दिन तक। ता. ८ को १२।४४ रात से १२।३६ दिन तक। ता. १३ को १२।२२ दिन से १२।३६ रात तक। ता. १६ को १२।२६ दिन से १२।३६ रात तक। ता. २० के १२।२६ दिन तक। ता. २३ को १३।०३ दिन से १२।२७ रात अंत तक। ता. २७ को १०।३६ दिन से ११।३६ रात तक। भद्रा रहेगी। **तारीख से कैसे होता है?** गुरु, शुक्र तारा - गुरु पूर्व दिवा में उदित, शुक्र पूर्व दिवा में उदित रहेंगे। **प्रचक** - ता. १० को ११।३६ दिन से ता. १४ के १२।२६ शाम तक। **अचानक लौटी ठंड** इस मह में धारक हो सकती है, सावधानी रखें।

घटने के संशोधन तथा १ उद्योगालय में

रा. शक संवत् १९५

रा. माघ १२ से रा. फालनुं १० तक

(ता. १० से राष्ट्रीय कानून तक प्रारम्भ)

बंगला सन् १४३०

बांगा शाम, ता. १४ से फालनुं मास प्रारंभ

रात के संशोधन कानून १ उद्योगालय में

# रामनारायण

FEBRUARY 2024

माघ/फालनुं मास (१२)

फरवरी

वीर निर्वाण सं.  
2550

शंकराचार्य  
मंत्र 2530

**चन्द्रश्चिति** - कन्या का। ता. १ को १।२२ दिन से तुला का। ता. ३ को १।४५ रात से खृष्णका। ता. ५ को ३।११ रात से धूर का। ता. ८ को ३।३२ दिन से मकर का। ता. १० को १।१३ दिन से कुम्ह का। ता. १२ को १।५६ दिन से मीन का। ता. १५ को ४।२८ शाम से मेष का। ता. १६ को ४।५ रात से वृषभ का। ता. २३ को ७।३४ रात से विष का। तारीख २८ को ७।३५ रात से कर्क का। ता. २८ को ७।३५ रात से विष का। तारीख २८ को ७।३५ रात से विष का। तारीख १२ से १३ तक मकर लग, ता. १४ से कुम्ह लग।

उदयकालिक लगन - ता. १ से १३ तक मकर लग, ता. १४ से कुम्ह लग।

हिंजी सन् 1445

रज्वा/सावान मास (८)

तारीख ८ शाम-ए-मेराज, तारीख ११

चन्द्रश्चिति, तारीख १२ से सावान मास

प्रारम्भ, तारीख २५ शाम-ए-बारात

प्राप्ति के गोपनीयता ता. १ से उद्योगालय में

ग. चंद्र १ ११ मंत्र कु. १०

ग. १ २ मंत्र ८ ६

ग. ३ ४ मंत्र ५ ७

ग. ६ ७ मंत्र ९ ८

याददाश्त

दृष्टि हिसाब भूमि का तिथि समय

ता. सुबह शाम कोप

समय बजे तक

रवि

मंत्र

समय

चेतावनी

मंत्र

समय

सोम

मंत्र

समय

मंत्र

&lt;p

लगातार  
91 वर्षों  
से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

# लाला रामस्वरूप रामनारायण पचाग

संपादक  
प्रह्लाद  
अव्यावाल  
जेवलपुर

## बच्चों को दुर्घटना से बचायें

आजकल कम उम्र में ही बच्चे दुर्घटना एवं चार पहिया वाहन चलाकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं या दुर्घटना कर रहे हैं। बच्चों को वाहन 18 वार्ष की उम्र में लायसेंस के साथ ही सीधे एवं सीधे पूर्ण संस्कृत जानकारी से उड़ें अवगत करें। वाहन दुर्घटना पर जेल जैसे कानून आ गये हैं।

ता. 8 महाशिवरात्रि व्रत



ता. 23 राजगुण, भगवान्सिंह, सुखदेव ज.दि.



ता. 25 होली उत्सव



## होलिका दहन

ता. 24 मार्च, दिन रविवार (भद्रा उपरात)  
10 बजाक 50 मिनिट रात के बाद होलिका दहन करना विशेष शुभ है। होलिका दहन में सूखी अंडे बक्ष की डाल, गोकाठ, कंडे एवं गाजर घास आदि का ही उपयोग करना चाहिये। हरे भेरे बेंडे, प्लास्टिक, बर्बर, टायप आदि जलाना अशुभ माना गया है।

मिलनसार, कर्मठ, ईमानदार, दूरदर्शी, समझदार, जनसेवा एवं देशसेवा के लिये समर्पित उम्मीदवार को वोट देने अवश्य जायें।

**भद्रास्थिति** - ता. १ को ३।२५ रात से ता. २ के ३।४४ दिन तक। ता. २ को २।१२ दिन से १।३७ रात तक। ता. ३ को २।१२ रात से ता. ६ के ६।४७ प्रातः तक। ता. १० को ७।३३ रात से ता. १२ के ६।३३ प्रातः तक। ता. १५ को २।१४ रात से ता. २० के ३।४३ दिन से ४।११ रात अंत तक। ता. २४ को ६।१७ दिन से १०।१० रात तक। ता. २७ को ४।४४ रात अंत से ता. ३१ को ४।४९ शाम तक। ता. ३१ को ५।१२ शाम से ५।११ रात अंत तक भद्रा रहेगी। अपेक्षा घरन में फलादार वृक्ष लगायें। गुरु, शुक्र तारा - गुरु पूर्ण दिवस में उड़ानी शुक्र भी पूर्ण दिवस में उड़ानी। पचक - तारीख ८ को ७।४३ रात से तारीख १२ के १।२।३० रात तक।

ग्रहों के राशिचक्र तारीख १ उत्कर्षक में  
ता. १२ ११ अप्रृष्ट १० अप्रृष्ट  
ग्रु. १ सु. ३ दि. ६  
२ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)  
बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

प्रत्येक दिन तारीख १ उत्कर्षक में

रा. शक संवत् १९४५/४६  
रा. फलानु ११ से रा. चैत्र ११ तक  
(तारीख २१ से रातों तेर भाव प्राप्त)

बंगला सन् १४३०  
बंगा फलानु, ता. १५ से चैत्र मास प्राप्त

विक्रम संवत् २०८० वीर निर्वाण सं. २५५०  
रामनारायण MARCH 2024  
ग्रंथाचार्य संवत् २५३०

## मार्च

फालुन/चैत्र मास (१)

मार्च



# लाला रामस्वरूप रामनारायन पचांग

बिजली मीटर धीमा करें

आर्डनरी ट्रिब्यूनल-लाईट के स्थान पर एल.ई.डी.

लाइट्स का उपयोग करें, जहाँ तक हो सकता है। एल-इंडिकेटर लाइट्स का उपयोग करें, जहाँ तक हो सकता है। प्राकृतिक रोशनी का बहुवा से काम चलायें। पावर मोटर, एजस्टर फेन, ऐ.सी., पर्शा, आदि वाहनों की ओर से धूम और धूल का अवाहन रोकें। बच्चों के लिए एवं घर के अन्य सदस्यों को भी यही आदत डालवायें। भवन में सोलार, पैनल इत्यर लगावायें।



## ता. 10 भ.परशुराम प्राकट्योत्सव



ता. 12 आद्य शंकराचार्य जयंते



ता. 23 भ. बुद्ध जन्मोत्सव

**विजली बिल में भारी कमा**  
 ए.सी. में फिट गैस की नलियाँ एवं जाली पर जमी धूत की समय-समय पर साइड करते एवं  
 ए.सी. एंट्रेप्रेनर की सेटिंग 24 से 26 रुपये रखने  
 वाले उदाहरण के समय के द्वारा—विडक्स  
 और फालनू चल रहे पंचों को बंद रखने से  
 विजली बिल में कम लाई जा सकती है। भ्रम  
 में सोल्यू बिल लगावधार की भी विजली बिल में  
 70% कमी आ सकती है।

देश हित के लिये वोट डालने अवश्य जायें और चुनिये उन्हें जो ईमानदारी, जिम्मेदारी से देश की साख बढ़ा सकें।

**मद्रासियति** - ता. ३ को हा १२८ दिन से १९७८ रात तक। ता. ६ को १ दिन से १९१५-६ रात तक। ता. ११ को ४/३७ शाम से ४/२३ रात अंत ता. ११ को ६/२ प्रातः से ६/१७ शाम तक। ता. १८ को १२/१० रात ता. १८ को १२०१२ दिन तक। ता. २२ को ५/१५ शाम से ता. ३२ के ६/१ प्रातः तक। ता. २६ को ६/१३ प्रातः से ४/१५ शाम तक। ता. २८ को १२८ दिन से १९१५-७ रात तक मद्रासियति। **गालनी** में सड़क्यांकों के पौधे लागू, शुक्र तारा - युक्त पूर्व दिशा में डैटेंड। ता. ६ के ३/१८ रात से परिवर्षमें अस्त। प्रिछले माह से शुक्रास्त है। **पंचक** - ता. २ को ११। १२ दिन से ता. ६ के ४/३७ शाम तक जिस तारीख २६ के ७/१४ रात से प्रारंभ

# रामनारायण

MAY  
2024

**चन्द्रश्चयिति** — मकर का। ता. २ को १९१४२ दिन से कुम्ह का। ता. ४ को २१११ दिन से मीन का। ता. ६ को ५३१३ शाम से मेष का। ता. ८ को ७४१२ रात से वृषभ का। ता. १० को १३१२ रात से मिथुन का। ता. १३ को ७१३६ प्रातः से कर्क का। ता. १५ को ५६१६ शाम से मिथुन का। ता. ७५ को ४३०३ रात से कन्या का। ता. २० को ४११२ शाम से तुला का। ता. २२ को २१३३ रात से वृद्धिका। ता. २५ को १०१३५ दिन से धूति का। ता. २७ को ५८१८ शाम से मकर का। ता. २८ को ७४१४ रात से कुम्ह का। ता. ३१ को १०१२२ रात से मीन का चन्द्रमा होगा। **गुरुत्वा** से कैरस होता है।

**उदयकालिक लग्न** — ता. १ से १४ तक मेष लग्न, ता. १५ से वृष लग्न।

भ्रम के सारांखा तालिका			उद्योगकाल में		
३	२	१	ग. अ. ब.	१०	११
			मु. तु. ग.		
	४			१०	चं.
५					
		६		८	
			के. द.		

# 5 वैशाख/ज्येष्ठ मास (3) मङ्ग

हिंजरी सन् 1445		प्राणी के राशिग्राह ता. १५ उत्तरकाल में	
मध्यावान्/निळ्कुद दामास (11)	तारीख ९ चन्द्रदर्शन,	३	३१ श.
तारीख १० से चिकित्साद दामास प्राप्तम्		४	१२ म.
चिकित्सा तारीख बर्दं दो दिन में हो जाएगी।		५	११ श.
		६	१०

दूध हिसाब		प्रति दिन का	तिथि समय
ता.	सुबह शाम		
1		८	१२।१४६ रात तक
2		९	१।३।३६ रात तक
3		१०	=१९६ रात तक
4		११	५।५।२ शाम तक
5		१२	३।३।५ दिन तक
6		१३	१।२ दिन तक
7		१४	१।४।६ दिन तक
8		३०	१।४।८ दिन तक
9		१	७।६।६ प्रातः तक
10		२	५।५।५ प्रातः तक
11		३	४।५।५ रा.अं.तक
12		४	४।२।३ रा.अं.तक
13		५	४।२।६ रा.अं.तक
14		६	४।४।५ रा.अं.तक
15		७	दिन-रात
16		८	६।४।२ प्रातः तक
17		९	७।३।७ प्रातः तक
18		१०	१।१।६ दिन तक
19		११	१।२।० दिन तक
20		१२	३।१।३ दिन तक
21		१३	४।४।८ शाम तक
22		१४	५।५।५ शाम तक
23		१५	६।४।२ शाम तक
24		१६	१।४।४ शाम तक
25		२	६।३।६ शाम तक
26		३	५।५।५ शाम तक
27		४	१।३।५ शाम तक
28		५	२।१।८ दिन तक
29		६	१।२ दिन तक
30		७	१।१।९ दिन तक
31		८	१।३।० दिन तक
शाम			

<b>मूल</b>	25	संत मेन जयंती	3	मदर्दी हे	10
के ता. ५ को ६।६ से ता. ६ के ४।७ तक एक अचिन्ती के ३ के ३।६ दिन तक जयंती के ता. १५ को ८ दिन से ता. १५ के शाम तक फिर मया १५ के १।७ तक जयंती के २५ ज्येष्ठा के ता. २५ को बजे दिन से ता. २५ ०।३ दिन तक फिर मूल तारीख १५ के ४ दिन तक हो।		5 प्रदोष व्रत वैशाख कृष्ण १२ वैशाख कृष्ण १२	३ ३.भा. ६।६ ज्याम तक आप शकाकुर ज वैशाख शुक्ल ५	12 आप्त शकाकुर ज वैशाख शुक्ल ५	19 मोहिनी एकांक वैशाख शुक्ल
26	प्रदोष व्रत ४।७ ज्याम तक	6 शिव चतुर्दशी इन वैशाख कृष्ण १३	4 रवेन्द्री ४।७ ज्याम तक एमानुचाराव वैशंप वैशाख शुक्ल ६	13 प्रदोष व्रत ५।४ ज्याम तक वैशाख शुक्ल ६	20 प्रदोष व्रत वैशाख शुक्ल
- पंचांग में तारीख दिन से बदलती है न १२ बजे रात से। इस दिन वैशाख के मूल तारीख १५ के ४ दिन तक हो।		5 अमृतिनी ३।६ दिन तक गंगा दद्दीमी	5 प्रदोष व्रत ५।४ ज्याम तक गंगा दद्दीमी	12 गंगा दद्दीमी	21 गंगा दद्दीमी
<b>छक्क अवकाश</b> (लगानी) ५ प्रथम बहुवार्षी ज.	27	शाढ़ अमावस्या वैशाख कृष्ण १४	6 कैटर जयंती	14 प्रदोष व्रत ५।४ ज्याम तक गंगा दद्दीमी	22 गंगा दद्दीमी
वैशाख कृष्ण १२।२० ज्याम तक जयंती के ५ दिन तक हो।		5 मध्याह्नी १।५ ज्याम तक मदवार्ड अमावस्या	6 कैटर जयंती	15 प्रदोष व्रत ५।४ ज्याम तक वैशाख शुक्ल ७	22 प्रदोष व्रत वैशाख शुक्ल
28	प्रतिरक्षित द्यौर्गा जयंती (लगानी नहीं)	8 सानादान अमावस्या	7 कृतिनां जयंती	16 प्रदोष व्रत ५।४ ज्याम तक सीता नवमी	23 प्रदोष व्रत वैशाख शुक्ल
वैशाख कृष्ण १२।२० ज्याम तक जयंती के ५ दिन तक हो।		5 मध्याह्नी १।५ ज्याम तक मदवार्ड अमावस्या	6 कैटर जयंती	15 प्रदोष व्रत ५।४ ज्याम तक वैशाख शुक्ल ७	22 प्रदोष व्रत वैशाख शुक्ल
29	प्रथम अवगत जयंती	9 चन्द्रतर्दशी	7 कृतिनां जयंती	16 प्रदोष व्रत ५।४ ज्याम तक सीता नवमी	23 प्रदोष व्रत वैशाख शुक्ल
वैशाख कृष्ण ८ में अवगत जयंती के ५ दिन तक हो।		5 मध्याह्नी १।५ ज्याम तक मदवार्ड अमावस्या	6 कैटर जयंती	15 प्रदोष व्रत ५।४ ज्याम तक वैशाख शुक्ल ७	22 प्रदोष व्रत वैशाख शुक्ल
1	1 म. बसवेश्वर जयंती	10 प्रथम अवगत प्रकाशनोत्सव	8 प्रथम अवगत जयंती	17 प्रथम अवगत जयंती	24 प्रथम अवगत जयंती
2		5 प्रथम अवगत प्रकाशनोत्सव	6 कैटर जयंती	16 प्रदोष व्रत ५।४ ज्याम तक सीता नवमी	23 प्रदोष व्रत वैशाख शुक्ल
3		10 प्रथम अवगत प्रकाशनोत्सव	7 कृतिनां जयंती	17 प्रथम अवगत जयंती	24 प्रथम अवगत जयंती

				<b>याददाश्त</b>
१७ सप्तम ता १२ रे रात्रि गुरुवी ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ३	२६ पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ३	२७ पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ४	२८ पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ५	 <b>राशिफल</b> 
१८ सप्तम ता १२ रे रात्रि गुरुवी ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ४	२९ पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ६	३० पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ७	३१ पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ८	
१९ सप्तम ता १२ रे रात्रि गुरुवी ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ५	२० सप्तम ता १२ रे रात्रि गुरुवी ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ५	२१ पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ६	२२ सप्तम ता १२ रे रात्रि गुरुवी ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ६	
२३ कर्त्तव्य ता १४ रे रात्रि गुरुवी ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ७	२४ पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ७	२५ पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ८	२६ पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ८	
२७ सप्तम ता १२ रे रात्रि गुरुवी ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ८	२८ पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ९	२९ पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण १०	३० पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण १०	
२८ सप्तम ता १२ रे रात्रि गुरुवी ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ९	३१ पूर्णिमा ३ वंश बुधवार ३ वंश ज्येष्ठ कृष्ण ११			

**ग्रहास्थात**  
**मूर्य** - मेष राशि में, तारीख १५ के १२३४ रात से वृथा में, **मगल** - मीन राशि में  
**वृद्धि** - मीन राशि में, १०.०० के १०५४७ रात से मेष में, तारीख ३१ के १११६४ दिन से वृथा में। **शुक्र** - मेष राशि में, तारीख १ के ५१३० शाम से वृथा में। **शुक्र** - मेष राशि में, तारीख १६ के १२३४ दिन से वृथा में। **कुम्भ** - मीन राशि में। **राहु** - मीन राशि में। **केत** - कर्क राशि में।

**ज्ञ मई माह के मुख्य व्रत, त्यौहार** **क्र**

ता. 4 वर्षाधीनी एकादशी व्रत	ता. 20 प्रदोष व्रत
ता. 5 प्रदोष व्रत	ता. 22 नवमी चतुर्थी
ता. 6 शिव चतुर्थी व्रत	ता. 23 स्नानदान व्रत पूर्णिमा,
ता. 7 आश्राम व्रत	बुद्ध, वैशाखी पूर्णिमा
ता. 8 स्नानदान, संतुवाई अमावस्या	ता. 26 गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 9 चन्द्रशेष	<b>दिवंगम्बर जैन पर्व</b>
ता. 10 अक्षय तृतीया	ता. 10 गोपीनाथी व्रत,
ता. 11 गंगा चतुर्थी व्रत	अस्त्र तृतीया
ता. 14 गंगा सप्तमी, गंगोत्रिति	<b>श्वेताम्बर जैन पर्व</b>
ता. 16 जानकी जयती, सीता नवमी	ता. 7 एवं 22 पालिक प्रति.
ता. 19 मोहिनी काकादशी व्रत	ता. 10 वर्षी तप पारणा

**मासफल** - इस मास देश में सत्रा संधर्ष, आरोप-प्रत्यारोप एवं बड़काने वाला गतिविधियाँ अपने चरम पूर्ण होंगा। जगतेजाओं में तनाव बढ़ेगा, केन्द्रीय विभाग में नये-नये चेहरे देखेंगे। सोना-चांदी, शेयर आदि गोल लगाकर सुधरेंगे नजर आयेंगे। सभी खाद्य पदार्थों में तेजी बढ़ेगी। हार्टअटेक, बाहान दुर्बालाओं एवं भीषण गर्मी से मुक्त दर का ग्राफ बढ़ेगा। **सूर्य वत्र भ्रमण** - सूर्य भरणी नक्षत्र में। ता. ११ का १०१० दिन से कृतिंशु नक्षत्र में। ता. २५ को १५६ प्रातः से रोहिणी नक्षत्र में। **मोदालक** के नज़ेर से बढ़ाकों से निवेदन - यदि आपके मित्रों वा रिसर्वदारों ने इस पंचांग के स्थान नक्ती का या मिलते-जुलते नाम का पंचांग घोखे से खोरी दिया है तो उन्हें 'मानमारेख' पंचांग की खीखीबों एवं पहचान से परिचय कराएं ताकि आप बार बार वे घोखेवा न खायें। और ब्रह्म विद्या की शास्त्र समस्त सही जागीरी वाली यहीं पंचांग लायें। खान रखें बहुती पंचांग बाले। 'असर्नी' लिखकर बंबेते वा

**मूर्खवंश सिद्धि योग** - ता. ५ को मूर्खवंश्यद्वय से ६।६ शाम तक। ता. ७ को से ३।६ दिन तक। ता. ८ को १।५।५ दिन से रात अंत तक। ता. ९ को दिन से रात अंत तक। ता. १५ को ३।१४ दिन से रात अंत तक। ता. १८ मूर्खवंश्यद्वय से ३।२ रात तक। ता. २३ को ८।५ दिन से ता. २५ के १० बजे तक। ता. २६ को मूर्खवंश्यद्वय से १०।१७ दिन तक। इन चिठ्ठियों के अध्ययन अमृत सूक्ष्मद्वय योग - ता. ७ को मूर्खवंश्यद्वय से ३।१८ दिन तक। ता. १५ को १।५।२ शाम से ६।५ रात तक। ता. १९ को १।५।१ दिन से ता. २५ के १० बजे तक। ता. २८ को मूर्खवंश्यद्वय से १०।१७ दिन तक। इन चिठ्ठियों के अध्ययन पर्यवेक्षण योग - ता. ८ को १।५।२ शाम से ६।५ रात तक। ता. १५ को १।५।१ दिन से ता. २५ के १० बजे तक। ता. २८ को मूर्खवंश्यद्वय से १०।१७ दिन तक। व्यतीपात योग - ता. २० को १२।१३ दिन से ता. २१ के १२।१३ दिन तक। नमदा पचक्राणी पदयात्रा - ता. ४ से ८ तक शालिवाहन-सूटकेश्वर-टोली, खगोना। ता. १६ से २३ गोदावरीश्वर-गोदावरी (विश्वाणी सामग्री) गाँव (टिमपी), शुलपाशेश्वर-गणेश्वर वासला (एकटेश्वर ब्रिज), गुजरात

**ज्ञ मई माह के मुख्य व्रत, त्यौहार** **क्र**

ता. 4 वर्षाधीनी एकादशी व्रत	ता. 20 प्रदोष व्रत
ता. 5 प्रदोष व्रत	ता. 22 नवमी चतुर्थी
ता. 6 शिव चतुर्थी व्रत	ता. 23 स्नानदान व्रत पूर्णिमा,
ता. 7 आश्राम व्रत	बुद्ध, वैशाखी पूर्णिमा
ता. 8 स्नानदान, संतुवाई अमावस्या	ता. 26 गणेश चतुर्थी व्रत
ता. 9 चन्द्रशेष	<b>दिवंगम्बर जैन पर्व</b>
ता. 10 अक्षय तृतीया	ता. 10 गोपीनाथी व्रत,
ता. 11 गंगा चतुर्थी व्रत	अस्त्र तृतीया
ता. 14 गंगा सप्तमी, गंगोत्रिति	<b>श्वेताम्बर जैन पर्व</b>
ता. 16 जानकी जयती, सीता नवमी	ता. 7 एवं 22 पाषांकित प्रति.
ता. 19 मोहिनी काकादशी व्रत	ता. 10 वर्षी तप पारणा

**मासफल** - इस मास देश में सत्रा संधर्ष, आरोप-प्रत्यारोप एवं बड़काने वाला गतिविधियाँ अपने चरम पूर्ण होंगा। जगतेजाओं में तनाव बढ़ेगा, केन्द्रीय विभाग में नये-नये चेहरे देखेंगे। सोना-चांदी, शेयर आदि गोल लगाकर सुधरेंगे नजर आयेंगे। सभी खाद्य पदार्थों में तेजी बढ़ेगी। हार्टअटेक, बाहान दुर्बालाओं एवं भीषण गर्मी से मुक्त दर का ग्राफ बढ़ेगा। **सूर्य वत्र भ्रमण** - सूर्य भरणी नक्षत्र में। ता. ११ का १०१० दिन से कृतिंशु नक्षत्र में। ता. २५ को १५६ प्रातः से रोहिणी नक्षत्र में। **मोदालक** के नज़ेर से बढ़ाकों से निवेदन - यदि आपके मित्रों वा रिसर्वदारों ने इस पंचांग के स्थान नक्ती का या मिलते-जुलते नाम का पंचांग घोखे से खोरी दिया है तो उन्हें 'मानमारेख' पंचांग की खीखीबों एवं पहचान से परिचय कराएं ताकि आप बार बार वे घोखेवा न खायें। और ब्रह्म विद्या की शास्त्र समस्त सही जागीरी वाली यहीं पंचांग लायें। खान रखें बहुती पंचांग बाले। 'असर्नी' तिखिक बंबेटे वा

<sup>TM</sup> 70 71 72 सोशल मीडिया पर कई जानकारियाँ भ्रामक होती हैं इसलिये बिना सत्यता जाँचे ऐसी जानकारियों को शेयर न करें। <sup>TM</sup> 70 71 72



रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क

नं. 70 71 72

## लला रामरखप रामनारायन पंचांग



## वरसात आने के पूर्व

वरसात पूर्व जलने भवन की छत, लालन, नाली में जला पिण्डी व करेको को पूर्व करना। छतों पर यदि क्रेप्स हों तो कैपिल, सीमेंट, डामर आदि भरें। पांधे अनुचित जाह पर ऊंगा आये हों तो उन्हें सही स्थान पर शिखने की अनुशासनी ये पीपल आदि के पांधे जड़ जमाकर भवन को शविष्यत कर सकते हैं। गैर जल्ली पीढ़ी सुखाने की तरीका मार्च बैक जेव पर टिक्या गया है।



ता. 9 महाराणा प्रताप जयंती



ता. 18 गारी लड़मीवार्ड बलि. दिवस



वर्ध डे



ता. 24 वीरांगना दुर्गावती बलि. दिवस

**भवन में सीपेज होना**  
छत, लालन, सीढ़ी का गड़बड़ ढलन या उनमें छोटे क्रेक या बायक्सन आदि के नल या सीधर पाल पर में लौकिक रहना, छत की नाली में कवरा या छोटे छेंडे की जाली लगी होना, छोटी नाली या नलियों की कम तादाद होने की वजह से पानी धीरे निकलता सीपेज या भवन में नमी का काना बनता है।

'शरीर' की हिफाजत धन से भी अधिक करनी चाहिये क्योंकि 'शरीर' बिगड़ने के बाद धन भी उसकी हिफाजत नहीं कर पाता।

**चद्राश्चित्ति** - ता. १ को ४१४६ शाम से ३१४७ रात तक। ता. ४ को ४१४७ रात से ता. ५ के ४१४८ शाम तक। ता. १३ को ६१४९ रात से ता. १५ के ६१५० बजे दिन तक। ता. १७ को ३१५१ दिन से ४१५२ रात अंत तक। ता. २१ को ६१५२ रात से ४१५३ रात अंत तक। ता. २७ को ३१५३ रात से ४१५४ रात अंत तक। ता. २८ के ७१५४ रात तक। ता. ३० के ६१५५ रात से भवन रहेगी। **गुरु, शुक्र तारा** - गुरु अस्त, ता. २ के १२१२ रात में पश्चिम में उतिरा। **चंचक** - ता. २ के १२१० रात तक। ता. ३० के ६१४३ रात में पश्चिम में उतिरा। **शुक्र** - ता. २५ को ३१४८ रात से ता. ३० के ६१४५ रात तक।

**छतों के तारिखांतीरा तारीख १ उदयकाल में**  

३	२	१	०	९	८	७	६	५	४	३	२	१
८	७	६	५	४	३	२	१	०	९	८	७	६
६	५	४	३	२	१	०	९	८	७	६	५	४

**रा. शक संवत् १९४६**  
 रा. ज्येष्ठ ११ से रा. आषाढ़ १२ तक  
 (ता. १६ से रात्री आगाह मास प्रारम्भ)  
**बंगला सन् १४३१**  
 बंगा ज्येष्ठ, ता. १६ से आगाह मास प्रारम्भ

**विक्रम संवत् २०८१**  
**वीर निवारण सं. २५५०**  
**रामनारायन** **JUNE 2024**  
 सूर्य उत्तरायन, इव्वी सन्  
 शंकाचर्यवंश संवत् २५३१

**जून** **ज्येष्ठ/आषाढ़ मास (४)**

## दृष्टि हिसाब

मुकुल के तिथि समय

ता. सुबह शाम के दृष्टि

## रवि

समय बजे तक

६३३ प्रातः तक

## सोम

समय बजे तक

११११ रात तक

## मंगल

समय बजे तक

१११६ रात तक

## बुध

समय बजे तक

१११८ शाम तक

## गुरु

समय बजे तक

११२१ रात तक

## शुक्र

समय बजे तक

११२४ रात तक

## शनि

समय बजे तक

११२८ रात तक

सूर्य उदय दिनांक १ - ५२८

सूर्य अस्त दिनांक १ - ६४७

५ - ५२८

५ - ५२७

१० - ५२६

१० - ५२५

१५ - ५२७

१५ - ५२६

२० - ५२८

२० - ५२७

२५ - ५२९

२५ - ५२८

३० - ५२९

३० - ५२८

३५ - ५२९

३५ - ५२८

४० - ५२९

४० - ५२८

४५ - ५२९

४५ - ५२८

५० - ५२९

५० - ५२८

५५ - ५२९

५५ - ५२८

सूर्य उदय दिनांक २ - ५२९

सूर्य अस्त दिनांक २ - ६४८

५ - ५२९

५ - ५२८

१० - ५२९

१० - ५२८

१५ - ५२९

१५ - ५२८

२० - ५२९

२० - ५२८

२५ - ५२९

२५ - ५२८

३० - ५२९

३० - ५२८

३५ - ५२९

३५ - ५२८

४० - ५२९

४० - ५२८

४५ - ५२९

४५ - ५२८

५० - ५२९

५० - ५२८

५५ - ५२९

५५ - ५२८

सूर्य उदय दिनांक ३ - ५२९

सूर्य अस्त दिनांक ३ - ६४७

५ - ५२९

५ - ५२८

१० - ५२९

१० - ५२८

१५ - ५२९

१५ - ५२८

२० - ५२९

२० - ५२८

२५ - ५२९

२५ - ५२८

३० - ५२९

३० - ५२८

३५ - ५२९

३५ - ५२८

४० - ५२९

४० - ५२८

४५ - ५२९

४५ - ५२८

५० - ५२९

५० - ५२८

५५ - ५२९

५५ - ५२८

सूर्य उदय दिनांक ४ - ५२९

सूर्य अस्त दिनांक ४ - ६४८

१ - ५२९

१ - ५२८

६ - ५२९

६ - ५२८

११ - ५२९

११ - ५२८

१६ - ५२९

१६ - ५२८

२१ - ५२९

२१ - ५२८

२६ - ५२९

२६ - ५२८

३१ - ५२९

३१ - ५२८

३६ - ५२९

३६ - ५२८

४१ - ५२९

४१ - ५२८

४६ - ५२९

४६ - ५२८

५१ - ५२९

५१ - ५२८

सूर्य उदय दिनांक ५ - ५२९

सूर्य अस्त दिनांक ५ - ६४८

२ - ५२९

२ - ५२८

७ - ५२९

७ - ५२८

१२ - ५२९

१२ - ५२८

१७ - ५२९

१७ - ५२८

२२ - ५२९

२२ - ५२८

२७ - ५२९

२७ - ५२८

३२ - ५२९

३२ - ५२८

३७ - ५२९

३७ - ५२८

४२ - ५२९

४२ - ५२८

४७ - ५२९

४७ - ५२८

५२ - ५२९

५२ - ५२८

सूर्य उदय दिनांक ६ - ५२९

सूर्य अस्त दिनांक ६ - ६४८

३ - ५२९

३ - ५२८

८ - ५२९

८ - ५२८

३३ - ५२९

३३ - ५२८

३८ - ५२९

३८ - ५२८

४३ - ५२९

४३ - ५२८

४८ - ५२९

४८ - ५२८

५३ - ५२९

५३ - ५२८

५८ - ५२९

५८ - ५२८

६३ - ५२९

६३ - ५२८

६८ - ५२९

६८ - ५२८

७३ - ५२९

७३ - ५२८

सूर्य उदय दिनांक ७ - ५२९

सूर्य अस्त दिनांक ७ - ६४८

४ - ५२९

४ - ५२८

९ - ५२९

९ - ५२८

१४ - ५२९

१४ - ५२८

॑९ - ५२९

॑९ - ५२८

२४ - ५२९

२४ - ५२८

२९ - ५२९

२९ - ५२८

३४ - ५२९

३४ - ५२८

३९ - ५२९

३९ - ५२८

४४ - ५२९

४४ - ५२८

४९ - ५२९

४९ - ५२८

५४ - ५२९

५४ - ५२८

सूर्य उदय दिनांक ८ - ५२९

सूर्य अस्त दिनांक ८ - ६४८

५ - ५२९

५ - ५२८

३० - ५२९

लगातार  
91 वर्षों  
से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क

नं. 70 71 72

सपादक  
प्रह्लाद  
अव्यावाल  
जेवलपुर

# लाला रामरवत्प रामनारायन पचांग

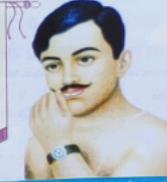
## वायु परीक्षा

ता. 20 को सूर्योदय बाद (प्रदोषकाल में) यदि हवा का स्तर पूर्ण में हो तो उत्तम वर्षा। आपके में हो तो कम वर्षा। दिवालि में हो तो अल्प वर्षा। नेकर्त में अनुवृत्ति, दूर्धिका पश्चिम में हो तो महावृत्ति। वायव्य में हो तो वायु की तीव्रता। ऊर में हो तो अतिवृत्ति। इशान में हो तो उत्तम वर्षा होगी।

ता. 7 भ. जगदीश श्यामा



ता. 23 चन्द्रगेहर आजाद जयंती



बच्चों को मच्छर से बचायें

बच्चों को घर, खूल, दूर्घान, प्ले ग्राउंड, रितेदारों के वहां मच्छर न करो यह माता-पिता, पालक की जिम्मेदारी है। बच्चों और गर्भवती महिलाओं को मच्छर जाला करने हैं। हर वर्ष लाखों बच्चे मरेरिया, डॉग, चिकुनगुनिया जैसी जालेवा बीमारी के जिकार, मच्छरों के काटने से ही होते हैं।

खुद का भरपूर धन या आय न हो तो दिखावे की प्रतिस्पर्धा में शामिल मत होइये अन्यथा ऐसी प्रतिस्पर्धा आपको कर्जधारी बनाकर तनाव ही देगी।

**भद्रास्थिति** - पिछली तारीख से प्रायम भद्रा ता. १ के १०।१२ दिन तक ता. ३ को १।२६ रात अंत से ता. ४ के १।५६ शाम तक। ता. ६ को १।५६ शाम से ता. १० के ६।१९ प्रातः तक। ता. १३ को १।२३ दिन से १।२० रात तक। ता. १६ को १।३० रात अंत से ता. १७ के १।३३ शाम तक। ता. २० को १।३१ शाम से १।३४ रात अंत तक। ता. २३ को १।३१ रात से ता. २४ के १।४२ दिन तक। ता. ३० को १।४२ प्रातः से १।४३ शाम तक भद्रा होगी।

**गुरु, शुक्र तारा** - गुरु तारा पूर्व दिशा में और शुक्र पश्चिम दिशा में उटिया।

**पंचक** - तारीख २३ को १।२१ दिन से तारीख २७ के १।३१ शाम तक।

रा. शक संवत् १९४६

रा. आषाढ १० से रा. श्रावण ९ तक

(ता. 23 से रातीय आवान मास प्रारम्भ)

बंगला सन् १४३१

बंगा आवान, ता. 17 से श्रावण मास प्रारम्भ

विक्रम संवत्

२०८१

वीर निर्वाण सं.  
२५५०

२५५०

रामनारायन JULY 2024

शंकराचार्य

संवत् २५३।

आवाद/श्रावण मास (५)

जुलाई

प्राप्ति के राशिचाल तारीख १ उत्पत्तिता

**बद्रास्थिति** - मेष का। ता. २ को १।१।२ दिन से वृष का। ता. ४ को १।१७ शाम से मिथुन का। ता. ६ को १।२१ रात से कम्ब का। ता. १४ को ७।४४ प्रातः से सिंह का। ता. १९ को ७।२२ रात से कन्या का। ता. १४ को ७।४४ प्रातः से तुला का। ता. १६ को ७।३३ शाम से वृश्चिक का। ता. १८ को २।२६ रात से धून का। ता. २१ को ८।०७ दिन से मकर का। ता. २३ को १।२७ दिन से कुम्भ का। ता. २५ को १।५० दिन से मीन का। ता. २७ को १।३० शाम से मधु का। ता. २८ को १।२७ रात से वृष का। ता. ३१ को १।२१ शाम से मिथुन का चन्द्रमा रहेगा। गमलां में संज्ञी के पीढ़ी लगाए।

उद्यकालिक लगन - ता. १ से १६ तक मिथुन लगन, ता. १७ से कर्क लगन।

प्राप्ति के राशिचाल ता. १० उत्पत्तिता

हिंजरी सन् १४५४/४६

जिन्हेज/माहम मास (१)

ता. ७ बद्रास्थिति, ता. ८ से मोहम्म

मास प्रारम्भ, ता. १६ योग-ए-अशुरा, चं. १७ मुहरम (ताजिया), ता. १९ तीव्रा

यादवाश्वत

प्राप्ति के राशिचाल ता. १० उत्पत्तिता

राशिफल

मेष - नई योजना का विचार, रोग कट्ट

वृष - यात्रा, सफलता, रोग कट्ट, यश

मिथुन - मित्र मिलन, विवाद, शुभ कार्य

कम्ब - विश्वासघात, सतान सुख, चिंता

सिंह - संतान-वाहनादि सुख, यात्रा, लाभ

कन्या - पदोन्नति, अचानक खर्च, यात्रा

तुला - शुभ समाचार, यात्रा, कट्ट, चिंता

वृश्चिक - यात्रा विचार, सतान सुख, वश

धून - संतान उत्तिति, यश, स्वास्थ्य चिंता

मकर - नया विचार, तानाव, यथानांतरण

कुम्भ - समान, वर्ष चिंता, खर्च अधिक

मीन - मांगलिक कार्य, मित्र से लाभ, यश

शुभ मुहूर्त

विवाह ता. ३, ९ से १५ मुंदन ता. ८, १२

उत्पत्ति - ता. ७, ८, ११ नामकरण -

ता. १, ३, ८, १५, १७, २२, २४, ३१

अन्नप्राशन - ता. ३, १२, २४ जीवा

मुहूर्योदय - ता. ३१ व्यापार - ता. ३, ७, ११, १२, १७, २१, २६, २८, ३१

महाकाल सवारी, उज्ज्वेल - ता. २२, २९

मुख्य जयंती, दिवस

ता. १, २१४८ एवं सी.ए. दिवस

ता. ६ प्रथमा प्राप्ति माहुरीजी जयंती

ता. ११ विवाह समाचार दिवस

ता. ११ विक्रमवारी महात्मव, जबलपुर

ता. १९ डॉ.खब्बेदेव ब्यैले ज. (आ.पे.अ.)

ता. २३ चन्द्रशेखर आजाद जयंती,

लोकमान्य तिलक जयंती

ता. २५ प्राप्ति यथाधार्म वास दिवस

ता. २७ डॉ.पी.जे.अद्वाल कलाम पु.ति.

ता. ३१ उधमसिंह गंगाधीरी दिवस,

मोहम्मद रफी पुष्पतिथि

मासफल - इस मास केन्द्रीय सता में वाद-विवाद बढ़ेगा।

सभी धार्ताओं एवं शेष सामाजिक स्थिरीय रहेगी, खाद्य समीक्षा में तेजी दिखेगी।

अल्प वृद्धि वाले क्षेत्रों में मासीय भूमि वर्षा से वाद के विपरीत बनेगी। उत्तर

में पाहाड़ धस्तकने के संकेत हैं। डॉ.जैसे संक्रमक रोगों की वृद्धि होगी।

सूर्य उत्तर ध्रमा - सूर्य आर्द्रा नक्षत्र में। ता. ६ को १।३३ दिन से पुरुषसु में

(संजा-स्त्री-स्त्री, चंद्र-चंद्र, वाहन-नग, अव्यवृत्ति)। ता. २० को १।०१।११

दिन से पुरुष में (संजा-स्त्री-पुरुष, चंद्र-सूर्य, वाहन-मङ्गल, वर्षा श्रेष्ठ)।

दिवाकर जैन पर्व - ता. ३ रोहिणी व्रत। ता. १४ से १३ अष्टाहिका पर्व।

ज्येष्ठाम्ब जैन पर्व - ता. ४ पार्विक प्रतिक्रमण। ता. १३ चौमासी अड्डाव

प्राप्ति। ता. २० चातुर्मासिक प्रतिक्रमण। तारीख २१ चातुर्मास प्राप्ति, यु. गु.

पूर्णिमा एवं पूर्णिमा का अव्ययन अवश्य करिये।

अपने मित्रों एवं शिष्टेदारों को भी रामनारायण पंचांग खोरादे की सलाह दीजिये।

५ जुलाई माह के मुख्य व्रत, त्यैहार

५ ज





दीपावली में दुर्घटना से बचें  
बच्चों को अतिशयशारी अपेक्षी देख-खेली में ही  
चलवांग और पास ही में यानी भगवान् रहे।  
जलने पर तुलन ठंडा पाणी डालना सही  
प्राथमिक उचावा है। इसी तरह कड़े, कागज,  
टायर, लकड़ी, तेल आदि के ढकोनों  
में जलना हुआ दिया, अगर बच्ची, बिजली में  
चिक्क पर चिङ्गिकी आदि खुला न छोड़ें।



'व्यवहार' ज्ञान एवं पैसे से भी बड़ा होता है, जब ज्ञान और पैसा विफल हो जाता है तब अच्छे 'व्यवहार' से स्थिति संभाली जा सकती है।

**भद्रास्थिति** - प्रियली तारीख से प्रारम्भ भद्रा ता. १ को ७/४/२४ प्रातः तक। ता. ६ को ८/१० शाम से ८/१७ रात अंत तक। ता. १० को ८/१८ प्रातः से ८/२० शाम तक। ता. १३ को ८/२५ प्रातः से ८/२२ रात अंत तक। ता. १६ को ९/११६ शाम से ता. २० के ९/१०८ दिन तक। ता. २२ को ९/११९ रात अंत से ता. २३ के ५/१६ शाम तक। ता. २६ को ६/१० शाम से ता. २७ को ७/१० प्रातः तक। ता. ३० को ७/१३ रात से ८/१६ रात अंत तक। ता. ३२ को ८/१६ शाम से ता. ३३ के ८/१९ रात अंत तक। ता. ३५ को ८/२१६ शाम से ता. ३६ के ९/१२ रात अंत तक। ता. ३८ को ९/२४ शाम से ता. ३९ के १०/१२ रात अंत तक। ता. ४१ को १०/१५ दिन से ता. ४२ के १०/१८ शाम तक।

**प्रकाशक** - तारीख १३ को ११/१५ दिन से तारीख १७ के १०/१४ शाम तक।  
**गुरु, शुक्र तारा** - गुरु तारा पूर्व दिवास में, शुक्र तारा पश्चिम दिवास में उठता।  
**पंचक** - तारीख १३ को ११/१५ दिन से तारीख १७ के १०/१४ शाम तक।

**ग. शक संवत् 1946**  
रा. अधिवन ९ से गा. कार्तिक ९ तक  
(ता. 23 से रासी-कर्तिक-मास प्राप्त)  
वाराण सन् 1431

बंग आस्थन, ता. 18 से कार्तिक मास प्रा.

प्रकाशक के गण्याचार तारीख १ उत्तरायण में

गुरु १ मं. १५ वृ. ४ चं. ३ मं.

१० १२ वृ. २ गु. ११ वृ. १२ वृ.

१३ १४ वृ. १५ वृ. १६ वृ. १७ वृ.

१८ १९ वृ. २० वृ. २१ वृ. २२ वृ.

२३ २४ वृ. २५ वृ. २६ वृ. २७ वृ.

२८ २९ वृ. ३० वृ. ३१ वृ.

३३ ३४ वृ. ३५ वृ. ३६ वृ. ३७ वृ.

३८ ३९ वृ. ४० वृ. ४१ वृ. ४२ वृ.

४३ ४४ वृ. ४५ वृ. ४६ वृ. ४७ वृ.

४८ ४९ वृ. ५० वृ. ५१ वृ. ५२ वृ.

५३ ५४ वृ. ५५ वृ. ५६ वृ. ५७ वृ.

५८ ५९ वृ. ६० वृ. ६१ वृ. ६२ वृ.

६३ ६४ वृ. ६५ वृ. ६६ वृ. ६७ वृ.

६८ ६९ वृ. ७० वृ. ७१ वृ. ७२ वृ.

७३ ७४ वृ. ७५ वृ. ७६ वृ. ७७ वृ.

७८ ७९ वृ. ८० वृ. ८१ वृ. ८२ वृ.

८३ ८४ वृ. ८५ वृ. ८६ वृ. ८७ वृ.

८८ ८९ वृ. ९० वृ. ९१ वृ. ९२ वृ.

९३ ९४ वृ. ९५ वृ. ९६ वृ. ९७ वृ.

९८ ९९ वृ. १०० वृ. १०१ वृ. १०२ वृ.

१०३ १०४ वृ. १०५ वृ. १०६ वृ. १०७ वृ.

१०८ १०९ वृ. ११० वृ. १११ वृ. ११२ वृ.

११३ ११४ वृ. ११५ वृ. ११६ वृ. ११७ वृ.

११८ ११९ वृ. १२० वृ. १२१ वृ. १२२ वृ.

१२३ १२४ वृ. १२५ वृ. १२६ वृ. १२७ वृ.

१२८ १२९ वृ. १३० वृ. १३१ वृ. १३२ वृ.

१३३ १३४ वृ. १३५ वृ. १३६ वृ. १३७ वृ.

१३८ १३९ वृ. १४० वृ. १४१ वृ. १४२ वृ.

१४३ १४४ वृ. १४५ वृ. १४६ वृ. १४७ वृ.

१४८ १४९ वृ. १५० वृ. १५१ वृ. १५२ वृ.

१५३ १५४ वृ. १५५ वृ. १५६ वृ. १५७ वृ.

१५८ १५९ वृ. १६० वृ. १६१ वृ. १६२ वृ.

१६३ १६४ वृ. १६५ वृ. १६६ वृ. १६७ वृ.

१६८ १६९ वृ. १७० वृ. १७१ वृ. १७२ वृ.

१७३ १७४ वृ. १७५ वृ. १७६ वृ. १७७ वृ.

१७८ १७९ वृ. १८० वृ. १८१ वृ. १८२ वृ.

१८३ १८४ वृ. १८५ वृ. १८६ वृ. १८७ वृ.

१८८ १८९ वृ. १९० वृ. १९१ वृ. १९२ वृ.

१९३ १९४ वृ. १९५ वृ. १९६ वृ. १९७ वृ.

१९८ १९९ वृ. २०० वृ. २०१ वृ. २०२ वृ.

गुरु १ मं. १५ वृ. ४ चं. ३ मं.

१० ११ वृ. १२ वृ. १३ वृ.

१४ १५ वृ. १६ वृ. १७ वृ.

१८ १९ वृ. २० वृ. २१ वृ.

२२ २३ वृ. २४ वृ. २५ वृ.

२६ २७ वृ. २८ वृ. २९ वृ.

३० ३१ वृ. ३२ वृ. ३३ वृ.

३४ ३५ वृ. ३६ वृ. ३७ वृ.

३८ ३९ वृ. ४० वृ. ४१ वृ.

४२ ४३ वृ. ४४ वृ. ४५ वृ.

४६ ४७ वृ. ४८ वृ. ४९ वृ.

४३ ४५ वृ. ४७ वृ. ४९ वृ.

४८ ४९ वृ. ५० वृ. ५१ वृ.

५२ ५३ वृ. ५४ वृ. ५५ वृ.

५६ ५७ वृ. ५८ वृ. ५९ वृ.

५३ ५४ वृ. ५५ वृ. ५६ वृ.

५७ ५८ वृ. ५९ वृ. ६० वृ.

६१ ६२ वृ. ६३ वृ. ६४ वृ.

६५ ६६ वृ. ६७ वृ. ६८ वृ.

६९ ७० वृ. ७१ वृ. ७२ वृ.

७३ ७४ वृ. ७५ वृ. ७६ वृ.

७७ ७८ वृ. ७९ वृ. ८० वृ.

८१ ८२ वृ. ८३ वृ. ८४ वृ.

८५ ८६ वृ. ८७ वृ. ८८ वृ.

८९ ९० वृ. ९१ वृ. ९२ वृ.

९३ ९४ वृ. ९५ वृ. ९६ वृ.

९७ ९८ वृ. ९९ वृ. १०० वृ.

१०१ १०२ वृ. १०३ वृ. १०४ वृ.

१०५ १०६ वृ. १०७ वृ. १०८ वृ.

१०९ ११० वृ. १११ वृ. ११२ वृ.

११३ ११४ वृ. ११५ वृ. ११६ वृ.

११७ ११८ वृ. ११९ वृ. १२० वृ.

१२१ १२२ वृ. १२३ वृ. १२४ वृ.

१२५ १२६ वृ. १२७ वृ. १२८ वृ.

१२९ १३० वृ. १३१ वृ. १३२ वृ.

१३३ १३४ वृ. १३५ वृ. १३६ वृ.

१३७ १३८ वृ. १३९ वृ. १४० वृ.

१४१ १४२ वृ. १४३ वृ. १४४ वृ.

१४५ १४६ वृ. १४७ वृ. १४८ वृ.

१४९ १५० वृ. १५१ वृ. १५२ वृ.

१५३ १५४ वृ. १५५ वृ. १५६ वृ.

१५७ १५८ वृ. १५९ वृ. १६० वृ.

१६१ १६२ वृ. १६३ वृ. १६४ वृ.

१६५ १६६ वृ. १६७ वृ. १६८ वृ.

१६९ १७० वृ. १७१ वृ. १७२ वृ.

१७३ १७४ वृ. १७५ वृ. १७६ वृ.

१७७ १७८ वृ. १७९ वृ. १८० वृ.

१८१ १८२ वृ. १८३ वृ. १८४ वृ.

१८५ १८६ वृ. १८७ वृ. १८८ वृ.

१८९ १९० वृ. १९१ वृ. १९२ वृ.

१९३ १९४ वृ. १९५ वृ. १९६ वृ.

१९७ १९८ वृ. १९९ वृ. १२० वृ.

१२१ १२२ वृ. १२३ वृ. १२४ वृ.

१२५ १२६ वृ. १२७ वृ. १२८ वृ.

१२९ १२३ वृ. १२४ वृ. १२५ वृ.

१३१ १३२ वृ. १३३ वृ. १३४ वृ.

१३५ १३६ वृ. १३७ वृ. १३८ वृ.

१३९ १३३ वृ. १३४ वृ. १३५ वृ.

१४१ १४२ वृ. १४३ वृ. १४४ वृ.

१४५ १४६ वृ. १४७ वृ. १४८ वृ.

१४९ १५० वृ. १५१ वृ. १५२ वृ.

१५३ १५४ वृ. १५५ वृ. १५६ वृ.

१५७ १५८ वृ. १५९ वृ. १५० वृ.

१६१ १६२ वृ. १६३ वृ. १६४ वृ.

१६५ १६६ वृ. १६७ वृ. १६८ वृ.

१६९ १७० वृ. १७१ वृ. १७२ वृ.

१७३ १७४ वृ. १७५ वृ. १७६ वृ.

१७७ १७८ वृ. १७९ वृ. १८० वृ.

१८१ १८२ वृ. १८३ वृ. १८४ वृ.

१८५ १८६ वृ. १८७ वृ. १८८ वृ.

१८९ १९० वृ. १९१ वृ. १९२ वृ.

१९३ १९४ वृ. १९५ वृ. १९६ वृ.

१९७ १९८ वृ. १९९ वृ. १९० वृ.

१९५ १९६ वृ. १९७ वृ. १९८ वृ.

१९९ १२० वृ. १२१ वृ. १२२ वृ.

१२३ १२४ वृ. १२५ वृ. १२६ वृ.

१२१ १२० वृ. १२२ वृ. १२३ वृ.

१२५ १२६ वृ. १२७ वृ. १२८ वृ.



लगातार  
91 वर्षों  
से प्रकाशित

रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क

नं. 70 71 72

संपादक  
प्रह्लाद  
अव्वाल  
जबलपुर

# लाला रामरवरद्धन रामनारायण पंचांग

खुलापन, खुजली  
ठंड में एक बूँद सर्सों तेल लायें एवं  
स्नान बाद गीले बदन ही सासों/नायिल/  
जैन तेल से पूरे शरीर की हृकी मतिश  
करें। इससे अंठे फटाना, त्वचा का खुलापन  
एवं खुजली दूर होने के साथ-साथ त्वचा  
कांतिमय बनेगी। हमेशा त्वचा का चारी  
टांकल से थपथपा कर सुखाना चाहिये।



यदि आप जागरूक नहीं हैं तो यकीन मानिये अब तक आप कई बार नुकसान उठा चुके हैं।

**ध्यानस्थिति** - ता. ५ को १११४८ रात से ता. ५ के १११३६ दिन तक। ता.  
८ को ७१२० प्रातः से ६१६८ शाम तक। ता. ११ को १११३३ दिन से  
११०१२२ रात तक। ता. १४ को ३१५४८ दिन से ३१०१० रात तक। ता. १७ को  
१२ बजे रात से ता. १८ के १११४८ दिन तक। ता. २१ को १११४९ दिन से  
२१०१६ रात तक। ता. २५ को ३१६८ दिन से ६१३१० रात तक। ता. २८ को  
१११४३ रात से ता. २९ के ३१३० रात तक बद्रोली को छें  
**गुरु, शुक्र तारा** - गुरु तारा बूँद दिवाने, शुक्र तारा पश्चिम दिवाने में उत्तरा।  
**पंचक** - तारीख ६ को १११४८ रात अंत से तारीख ११ को ६१४३ दिन तक।  
अपने पिंडों एवं रिनेटों को भी यही पंचांग खरीदने की सलाह दीजिये।

प्रातः के गोलगाहा तारीख १ उद्यावास में  
रा. १० शु. १२ चं. ५ दं. ५ के  
ज. ११ ५ शु. ५ दं. ५ के  
ग्र. १२ २ शु. ५ मं. ५ के  
स. १३ १ शु. ५ मं. ५ के

रा. शक संवत् 1946

रा.मार्गशीर्ष 10 से रा. पौष 10 तक  
(ता. 22 से राशी पौष तारा प्रारम्भ)  
बंगला सन् 1431

बंग मार्गशीर्ष, ता. 17 से पौष प्रारम्भ

विक्रम संवत्  
2081

वीर निर्वाण सं  
2551

DECEMBER  
2024

संकाराचार  
संवत् 2531

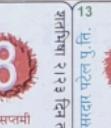
आहन (मार्गशीर्ष)/पौष मास (10)  
दिसम्बर 2024

दूध हिसाब

प्राप्ति समय

सुधर हिसाब की कांडी

तिथि समय बजे तक



सुधर हिसाब की कांडी

तिथि समय

सुधर ह